जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015

6 अ

जैन विद्या - भाग - 6

(जैन तत्त्व विद्या खण्ड-2 - 3)

समय : 3 घण्टे | प्रश्न पत्र : प्रथम | पूर्णांक 100

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न इस प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

(A) किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें। 10×1=10

1. ब्रह्मचर्य अणुव्रत का अर्थ क्या है?
2. परिग्रह के कितने और कौन-कौन से क्रम है?
3. समिति गुप्ति का अर्थ क्या हैं?
4. प्रमाद आश्रव किसे कहते हैं?
5. पुण्य के कितने प्रकार है, लयन पुण्य का तात्पर्य क्या है?
6. पुद्गल में कितने संस्थान है? नामोल्लेख करें।
7. सम्यक् दृष्टि की परिभाषा लिखें।
8. हमारा सम्यक् दर्शन कैसे पुष्ट होता है? समझांए।
9. ध्यान के कितने प्रकार है, और शुभ-अशुभ कौनसे है? नाम बताएं।
10. आठ कर्मों में कौनसे दो बंधनकारक कर्म हैं?
11. उच्च व नीच गोत्र का बंध कैसे होता है?

(B) निम्न प्रश्नों के उत्तर दें- (कोई दस) 10×2=20

1. जीव के प्रयोग में आने वाली आठ वर्गणाओं के नाम बतायें। उनसे सबसे स्थूल और सबसे सूक्ष्म वर्गणा कौनसी है?
2. अंतिम चार स्पर्श सापेक्ष है-स्पष्ट करें।
3. कर्म की परिभाषा बताते हुये उसके प्रकारों का नामोल्लेख करें।
4. मिथ्यात्व का अर्थ क्या है? इसके प्रमुख हेतु क्या है?
5. सम्यक्त्व आत्म विकास की पृष्ठभूमि है। स्पष्ट करें।
6. वीतराग के दो प्रकारों का वर्णन करें।
7. आर्त्तध्यान, रौद्रध्यान क्या है?
8. रसन इन्द्रिय के कितने विषय हैं? नाम लिखें।
9. संस्थान के प्रकारों का उल्लेख करो।
10. निर्जरा के अभ्यान्तर भेदों की संक्षिप्त व्याख्या करें।
11. शब्द के कितने प्रकार हैं? शब्द की उत्पत्ति स्थान कौन-कौन से हैं?

(C) किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें। 10×4=40

1. मरण के तीन प्रकारों की संक्षिप्त व्याख्या करें।
2. क्रिया का अर्थ बताते हुये उसके पाँच प्रकारों को बताएं।
3. दर्शन के आठ आचारों के नाम बताते हुए किन्हीं तीन का वर्णन करें।
4. जीव के चौदह प्रकार लिखें।
5. पुद्गल के चार भेदों की परिभाषा लिखें।
6. मन, वचन, काय, नमस्कार पुण्य का अर्थ समझाएं।
7. स्वाध्याय व ध्यान की परिभाषा लिखें।
8. धर्म की पहचान के पांच प्रकार लिखें।
9. घनघात्य कर्मों की परिभाषा लिखें।
10. श्रमण धर्म के 10 प्रकारों का अर्थ बताएं।
11. दृष्टि के तीन प्रकारों की व्याख्या करें।

(D) किन्हीं तीन प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दें। 3×10=30

1. अनगार धर्म के प्रकारों का विस्तार से वर्णन करें।
2. आश्रव के पाँच प्रकारों पर लेख लिखें।
3. श्रमण धर्म के दस प्रकारों को विस्तार से समझाएं।
4. संहनन पर निबंध लिखें।